अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : नवम्बर-दिसम्बर 2023

परीक्षा का नाम : अलंकार प्रथम (द्वितीय प्रश्नपत्र)

विषय : तबला-पखावज

दि. 19/11/2023 समय : 3 घंटे (दोपहर 2 से 5) कुल अंक : 100

सूचना : 1) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।
2) सभी प्रश्न के अंक समान है ।

प्र.1. अ) उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये। (10)

1. संगीत मे एक बोल या स्वर के बाद रुकावट या ठहराव के लिये ---------- यह चिन्ह निर्धारित हैं।
   अ) = ब) 0 क) ऽ
2. टप्पा गायनके संगतमें ---------- ताल प्राय: बजाया जाता है ।
   अ) पंजाबी ब) चौताल क) तिलवाडा
3. काली 4 (4#) स्वरका मध्यम स्वर --------यह है ।
   अ) सफेद 1(C) ब) काली 1(C #) क) काली 2 (D#)
4. आचार्य भरतमुनीने नाट्यशास्त्र मे वाद्यवृन्द को ------- कहा है।
   अ) कुतप ब) आर्केस्ट्रा क) मंडली
5. वर्ण या मात्रा के अनुसार पद रचना करने की व्यवस्था को ---------- कहते है।
   अ) कविता ब) श्लोक क) छंद
6. संगीत मे लय के प्रवाही गुणों को ---------- मानना उचित है।
   अ) यति ब) द्रुतलय क) रेला
7. जिस 'बंदिश' मे इष्टदेव की वंदना या गुणों का वर्णन होता हैं उसे ---------- कहते हैं।
   अ) कवित्त ब) स्तुतिपरन क) प्रार्थना
8. फरमाईशी परन का समानार्थी शब्द ---------- परन है।
   अ) चक्रदार ब) फरसबंदी क) आदेशी

9. ताल के विभिन्न भागो या खंडो को ---------- कहते है।
अ) टुकडा ब) अंग क) गण

10. किसी वाद्य को बजाने की विधि या शैली को ---------- कहते है।
अ) पद्धति ब) रिवाज क) बाज

ब) सही (✓) या गलत (X) पहचाने। (10)

1. आवाप, निष्क्राम, विक्षेप, प्रवेश यह सशब्द क्रिया के भेद है–
2. कायदा कुछ निश्चित नियमों के बंधन मे रहता है तथा तबले पर ही बजाया जाता है।
3. धमार यह ताल खंड जाति का ताल है।
4. 'चिल्ला' साधारण चालीस दिनों का होता है।
5. "रस निष्पत्ति" ताल के विभिन्न गति–भेदों के बिना संभव नही है।
6. अप्रचलित तालों मे 18 मात्रा का ब्रह्मताल आज भी प्रचार मे हैं।
7. हार्मोनियम यह वाद्य धन वाद्य के अंतर्गत आता है।
8. 'पडार' यह तबला वादन की एक विशेष सामग्री है।
9. साथ परन यह पखावज वादन की एक विशेष सामग्री है।
10. ध्रुपद–धमार की साथ संगत के लिये पखावज ही अत्यंत उपयुक्त है।

प्र.2. तबला / पखावजकी बंदिशों की भाषा के उद्गम और विकास की जानकारी दीजिये। (20)

प्र.3. अ) तबला अथवा पखावज के प्रमुख मूल वर्णों को समझाईये। (10)

ब) निम्नलिखित मे से किसी दो संयुक्त वर्णों की निकास विधि लिखिये तथा पढन्त और निकास मे अंतर स्पष्ट कीजिये। (10)

(धुमकीट, थुंगा, तक्का, तकिटत)

प्र.4. त्रिताल अथवा चौताल मे किसी भी दो घरानेदार बंदिशों को लिपिबद्ध करे तथा उनकी विशेषता, और सौंदर्य तत्वों का विश्लेषण करे। (20)

प्र.5. निम्नलिखित मे से किसी दो पर टिपण्णी लिखिये। (20)
अ) मसीतखानी और रजाखानी।
ब) ध्रुपद-धमार।
क) रियाज की विभिन्न पद्धतियाँ।

प्र.6. "स्वतंत्र तबला / पखावज वादन में रचना प्रकारों की प्रस्तुति का क्रम तथा पढन्त की आवश्यकता" इस विषयपर विस्तारसे लिखे। (20)

प्र.7. निम्नलिखित में से किसी दो वादक कलाकारों का जीवन चरित्र लिखिये। (20)
1. उ.बोली बख्श
2. उ.जहांगीर खान
3. उ.मेहबूब खाँ मिरजकर
4. पं.नाना पानसे
5. पं.भवानीदास
6. पं.कुदऊसिंह